भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 186
सोमवार, 18 जुलाई, 2022/27 आषाढ़, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में पर्यटन को प्रोत्साहन

186. डॉ. मनोज राजोरियाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार राजस्थान में पर्यटन की संभावनाओं से अवगत है क्योंकि राज्य में बड़ी संख्या में खूबसूरत पहाड़ियां (हिल स्टेशन) वन्य-जीवन, विरासत स्थल, ऐतिहासिक स्थान और मंदिर हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने राजस्थान सहित देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : जी, हाँ महोदय। पर्यटन मंत्रालय राजस्थान सहित भारत का एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। वर्तमान में जारी अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में यह मंत्रालय "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार" (डीपीपीएच) और "बाजार विकास सहायता सहित विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार" (ओपीएमडी) योजनाओं के माध्यम से देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के उद्देश्य से "अतुल्य भारत" ब्रांड लाइन के तहत संभावित अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता हैI राजस्थान सहित विभिन्न गंतव्यों का भी मंत्रालय की वेबसाइट (www.incredibleindia.org) और सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से नियमित रूप से संवर्धन किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय "स्वदेश दर्शन" और "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन"-प्रशाद योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों को उनके परामर्श से वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राजस्थान में प्रशाद और स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

प्रशाद योजना **(करोड़ रुपये में)**

परियोजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि
पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64

स्वदेश दर्शन योजना **(करोड़ रुपये में)**

परियोजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि
मरुस्थल परिपथ	2015-16	50.01
कृष्णा परिपथ	2016-17	75.80
आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	87.05
विरासत परिपथ	2017-18	70.61

****